नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विवि में जिल्हाधिकारी शैलेश नवाल ने किया जेवण उत्सव का उदघाटन

खाद्य संस्कृति को बढ़ावा देता है जेवण उत्सव - शैलेश नवाल

वर्धा,17 अक्टूबर 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह के दौरान मेजर ध्यानचंद्र क्रीड़ा प्रांगण में 'जेवण उत्सव' (फूड फेस्टिवल) का उदघाटन वर्धा के जिलाधिकारी

शैलेश नवाल द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुक्ताकाश मंच का उदघाटन आकाशवाणी, नागपुर केंद्र के निदेशक हरीश पाराशर 'ऋषु' ने किया। इस उत्सव को कुलपति प्रो. मिश्र ने मराठी नाम 'जेवण' दिया था ताकि महाराष्ट्र का स्वाद इस उत्सव को आ सकें। 'जेवण उत्सव' में देशभर के विभिन्न प्रांतों के लजीज़ व्यंजनों के 60 से अधिक स्टॉल्स लगाये गये थे जिसका दो हजार से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। जिलाधिकारी नवाल ने उत्सव का उदघाटन फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि हर राज्य का अपना अलग स्वाद होता है, इस प्रकार के आयोजनों से खाने की विभिन्न संस्कृतियां एक जगह पर प्रदर्शित होती है और इससे खाद्य संकृति को बढ़ावा भी मिलता है। इस आयोजन के लिए उन्होंने विश्वविद्यालय और आयोजकों को बधाई दी। जिलाधिकारी नवाल एवं कुलपति प्रो. मिश्र ने सभी स्टाल्स का मुआयना किया। फेस्टिवल में 197 देशों की करेंसी नोट व सिक्कों की प्रदर्शनी तथा नारायण देशमुख द्वारा चौथी ई. पूर्व की मुद्राएं, बहुमूल्य वस्तुओं का संग्रह तथा राजेंद्र भोयर द्वारा मुगलकालीन ऐतिहासिक सातवाहन काल से मुगलकालीन सिक्के व मुद्राओं के स्टॉल्स मुख्य आकर्षण बने रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये वहीं जनसंचार विभाग के चटपटी खबरों के स्टॉल ने सभी का मनोरंजन किया। उदघाटन समारोह में वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, आवासीय लेखक आनंद भारती, डॉ. अनवर सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे सहित स्टाल धारक, विद्यार्थी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह को सफल बनाने में 'जेवण उत्सव' के

संयोजक डॉ. अमित विश्वास, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. राजेश्वर सिंह, डॉ. अनिर्बाण घोष, डॉ. रूपेश कुमार सिंह ने सहयोग किया।

हिंदी विश्वविद्यालयात 'जेवण' उत्सवाचे उदघाटन

'जेवण उत्सव' खाद्य संस्कृतीला चालना देणारा - शैलेश नवाल

वर्धा, 17 ऑक्टोबर 2018 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात 'जेवण उत्सव' (फूड फेस्टिवल)चे उदघाटन जिल्हाधिकारी शैलेश नवाल यांनी केले. ते म्हणाले की प्रत्येक राज्यांची खाद्य संस्कृती वेगवेगळी असते. अशा प्रकारच्या आयोजनामुळे विविध खाद्य संस्कृतींचा मेळ होतो आणि त्यामुळे खाद्य संकृतीला चालना मिळते. या आयोजनासाठी त्यांनी विश्वविद्यालय आणि आयोजकांचे अभिनंदन केले. कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी होते. यावेळी मुक्ताकाश मंचचे उदघाटन आकाशवाणी, नागपूर केंद्राचे निदेशक हरीश पाराशर 'ऋषु' यांनी केले. या उत्सवाला कुलगुरु प्रो. मिश्र यांनी 'जेवण' हे मराठी नाव दिले होते जेणेकरुन महाराष्ट्राची ओळख उत्सवाला मिळेल. या उत्सवात 197 देशातील नाणी आणि नोटांचे प्रदर्शन तसेच नारायण देशमुख यांनी चवथ्या ई. पूर्वच्या मुद्रा, बहुमूल्य वस्तुंचा संग्रह, राजेंद्र भोयर यांचा मुद्रांचा स्टॉल मुख्य आकर्षण ठरले. उदघाटन कार्यक्रमाला प्रोफेसर मनोज कुमार, आवासीय लेखक आनंद भारती, डॉ. अनवर सिद्दीकी, बी. एस. मिरगे यांच्यासह स्टाल धारक, विद्यार्थी, नागरिक उपस्थित होते. यशस्वीतेसाठी 'जेवण उत्सव'चे संयोजक डॉ. अमित विश्वास, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. राजेश्वर सिंह, डॉ. अनिर्बाण घोष, डॉ. रूपेश कुमार सिंह यांनी सहकार्य केले.